हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

तापमान
अधिकतम 37 .0 डिग्री
न्यूनतम 27 .4 डिग्री

9 भगवान के शरणागत पर सदैव होती है प्रभु की कृपा

10 स्टेशन के दूसरे भवन के रेनोवेशन का काम अंतिम...

खबर संक्षेप

अपहरण कर मारपीट करने के आरोपी पकड़े

सोनीपत। राई पुलिस ने अपहरण कर युवक के साथ मारपीट करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान सोमबीर उर्फ शिवा निवासी संजय एन्क्लेव, जहांगीरपुरी, दिल्ली तथा आशीष निवासी कुलताना, जिला रोहतक के रूप में हुई है। दोनों को न्यायालय में पेश कर एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 30 अप्रैल 2026 को दिनेश निवासी मुकुंदपुर, दिल्ली ने शिकायत दी थी कि उसका साला शिवम ईको वैन चलाता है। वह बीसवां मील पर सवारी भर रहा था, तभी सोमबीर उर्फ शिवा अपने साथियों के साथ वहां आया और शिवम व अन्य ड्राइवर योगेश के साथ मारपीट की। इसके बाद दोनों को जबरदस्ती गाड़ी में डालकर ले जाया गया।

घर में घुसकर हमला करने के आरोपी काबू

गन्नौर। गांव बड़ी में पुरानी रंजिश के चलते मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। शिकायत में आरोप है कि कुछ युवक घर में घुस आए, पथराव किया और बाद में कार से टक्कर मारकर परिवार के सदस्यों को घायल कर दिया।
शिकायतकर्ता आनंद ने बताया कि 30 अप्रैल की शाम वह अपने घर पर परिवार के साथ मौजूद था। इसी दौरान रोहित पुत्र सुनील अपने साथियों प्रिंस, रितिक, नवीन उर्फ सरपंच, अमित उर्फ काली व अन्य के साथ घर पर पहुंचा और ईंट-पत्थर मारते हुए अंदर घुस गया। आरोप है कि सभी ने उसके साथ मारपीट की।शोर सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो हमलावर बाहर सड़क की ओर भाग गए। आरोप है कि आरोपी कार और मोटरसाइकिलों पर सवार होकर मौके से निकले और कुछ देर बाद कार को तेज गति से वापस लाकर परिवार के सदस्यों को कुचलने का प्रयास किया। इस दौरान आनंद, उसकी पत्नी पिंकी और भतीजे सोमपाल को चोटें आईं। घायलों को उपचार के लिए गन्नौर के अस्पताल ले जाया गया, जहां से उन्हें खानपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया था।

घर का ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

गन्नौर। गांव मोई में अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़कर अलमारी से नकदी व सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पुलिस को दी शिकायत में रणबीर ने बताया कि 1 मई की रात करीब 9 बजे वह अपने परिवार के साथ खाना खाने के बाद कमरे से बाहर निकला। इस दौरान उसकी पत्नी ने देखा कि दूसरे कमरे का दरवाजा खुला हुआ है। जब उन्होंने अंदर जाकर देखा तो अलमारी का दरवाजा खुला मिला और उसमें रखा सामान गायब था। शिकायत में बताया गया है कि चोर घर से करीब 15 हजार रुपये नकद, दो सोने के हार, एक जोड़ी सोने के बाले, दो जोड़ी चांदी की पाजेब, चांदी का कड़ा, चांदी के सिक्के व अन्य आभूषण चोरी कर ले गए।

परीक्षा केंद्रों के आसपास सात घंटे तक धारा 163 लागू रही

8 केंद्रों पर 2474 अभ्यर्थियों ने दी नीट की परीक्षा, 69 रहे गैरहाजिर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- सुरक्षा को लेकर पुलिस के रहे चौकस प्रबंध
- केंद्रों पर अधीक्षक व इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में तैनात रहे पुलिसकर्मी

जिले में राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यूजी-2026) रविवार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। भविष्य में डॉक्टर बनने का सपना संजोए और मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाने के इच्छुक हजारों युवा परीक्षा के इस प्रथम पड़ाव पर एकजुट नजर आए। परीक्षा के लिए जिले में बनाए गए 8 केंद्रों पर कुल 2543 में से 2474 अभ्यर्थी परीक्षा देने पहुंचे, जबकि 69 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा को लेकर सभी केंद्रों पर पुलिस के चौकस प्रबंध रहे। प्रत्येक केंद्र पर अधीक्षक व इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में पुलिसकर्मी तैनात रहे। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास के क्षेत्र में करीब 7 घंटे तक धारा 163 लागू रही, जिसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्रित होने पर रोक रही। अभ्यर्थी सुबह 11 बजे से ही परीक्षा केंद्रों पर पहुंचने लगे थे। सभी अभ्यर्थियों को दोपहर 1.30 बजे तक ही प्रवेश की अनुमति दी गई। प्रवेश से पहले बायोमेट्रिक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच की गई। इसके बाद ही उन्हें केंद्र के अंदर जाने दिया गया। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक एक ही पाली में आयोजित हुई। सभी केंद्रों पर पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे। सीसीटीवी कैमरे, बायोमेट्रिक सिस्टम और जैमर लगाए गए थे। साथ ही एनटीए द्वारा अधिकृत एजेंसियों की टीमों ने भी लगातार निगरानी रखी। फ्लाइंग स्क्वॉड और ड्यूटी मजिस्ट्रेट भी केंद्रों का निरीक्षण करते रहे।

सोनीपत। परीक्षा केंद्र में प्रवेश पाने के लिए लाइनों में लगे अभ्यर्थी।

सोनीपत। कड़ी जांच के बाद केंद्रों में मिला प्रवेश।

एसओपी का सख्ती का पालन किया गया

जिलाधीश नेहा सिंह ने बताया कि परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया गया। केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में हथियार लेकर आने पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। सभी मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) का सख्ती से पालन कराया गया। परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों के साथ आए अभिभावकों को केंद्र से 100 मीटर दूर रहने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि, तेज गर्मी के चलते अभिभावकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई अभ्यर्थी और उनके परिजन करीब ढाई घंटे तक धूप में खड़े होकर प्रवेश का इंतजार करते रहे।

ढाई घंटे तक धूप में तपते रहे अभिभावक

अधिकांश परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थी सुबह 11 बजे ही पहुंच चुके थे, लेकिन समय से पहले किसी को भी केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। ऐसे में अभ्यर्थी व उनके साथ आए अभिभावक केंद्रों के बाहर गर्मी में खड़े होकर इंतजार करते रहे। करीब 1 बजे अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर भेजने की प्रक्रिया शुरू की गई। एक-एक अभ्यर्थी को गेट पर जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। गेट पर ही उनके सामान व आभूषण अभिभावकों को सौंप दिए गए। परीक्षा के दौरान कई अभिभावक अपने बच्चों के बाहर आने का इंतजार करते रहे।

200 मीटर के दायरे में लोगों के जुटने पर पूर्ण प्रतिबंध रहा

जिले में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराई गई। 8 केंद्रों पर आयोजित परीक्षा में कुल 69 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में किसी भी प्रकार के हथियार ले जाने या भीड़ जुटाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहा। प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात रहा। सभी केंद्रों पर पेयजल व अन्य सुविधाओं से संबंधित तैयारियां पहले ही पूरी कर ली गई थीं।
-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत

गोहाना में दुकानदार से मांगी 2 करोड़ की रंगदारी

■ गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने नाम पर धमकी

गोहाना। क्षेत्र के एक कारोबारी से कॉल कर दो करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का मामला सामने आया है। आरोप है कि कारोबारी को विदेशी नंबर से व्हाट्सएप कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गैंग से जुड़ा बताया और जान से मारने की धमकी दी। शहर थाना पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर थाना में दर्ज कराई गई शिकायत में गोहाना निवासी कारोबारी ने बताया कि 1 मई को करीब एक बजे उनके मोबाइल पर दो अलग-अलग विदेशी नंबरों से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को जींद के एंचरा कलां निवासी रणदीप मलिक बताया और कहा कि वह गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है। आरोपी ने उनसे दो करोड़ रुपये की रंगदारी देने की मांग की और कॉल के दौरान गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने तुरंत मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जांच के बाद रंगदारी मांगने का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बताया गया है कि पीड़ित शहर में कन्फेक्शनरी की दुकान चलाने के साथ-साथ प्रॉपर्टी डीलिंग का कार्य भी करता है।

सोहटी में वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

खरखौदा। सोहटी गांव के पास हुए सड़क हादसे में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक की पहचान गांव रामपुर निवासी रवि के रूप में हुई है, जो अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर काम से अपने गांव लौट रहा था। रात करीब 12.15 बजे जब रवि सोहटी गांव की पुलिया के पास पहुंचा, तभी किसी वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। इस हादसे में रवि के सिर में गंभीर चोटें आई हैं।

रोहतक पीजीआई रेफर

घायल अवस्था में उसे खरखौदा के सरकारी अस्पताल में लाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उसे पीजीआई रोहतक रेफर कर दिया। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

खेल विश्वविद्यालय में आपत्तिजनक मैसेज मामला, कमेटी एक सप्ताह में देगी रिपोर्ट

■ महिला कर्मचारी ने प्रोफेसर पर लगाया आरोप

सोनीपत। राई स्थित खेल विश्वविद्यालय में महिला कर्मी को आपत्तिजनक मैसेज भेजने के मामले में आंतरिक शिकायत समिति को एक सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। सामने आया है कि जिस सहायक प्रोफेसर पर आरोप लगे हैं, वह आंतरिक शिकायत समिति का सदस्य भी था। मामला उजागर होने के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने उसे समिति से हटाकर उसकी जगह दूसरे सहायक प्रोफेसर को शामिल कर लिया है। महिला कर्मी ने विश्वविद्यालय के कुलपति को दी शिकायत में आरोप लगाया कि संबंधित सहायक प्रोफेसर दिसंबर 2025 से लगातार व्हाट्सएप पर आपत्तिजनक संदेश भेज रहा था और बार-बार कॉल कर परेशान कर रहा था। शिकायत के साथ कथित चैट के स्क्रीनशॉट भी सौंपे गए हैं। वायरल हो रहे एक संदेश में 'हग तो नॉर्मल' है जैसे शब्द लिखे होने का दावा किया जा रहा है, जिससे मामला और संवेदनशील हो गया है। महिला का आरोप है कि आरोपी देर रात तक संदेश भेजता था और कई बार अशोभनीय भाषा का इस्तेमाल करता था। जनवरी में लगातार संपर्क करने की कोशिशों से वह मानसिक रूप से परेशान हो गई थी। उसे अपनी कार्यस्थल की लोकेशन तक बदलनी पड़ी, लेकिन इसके बावजूद आरोपी के संदेश और कॉल आना बंद नहीं हुए। मामले की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया। कुलपति अशोक ने जांच आंतरिक शिकायत समिति को सौंप दी है। आरोपी स्वयं समिति का सदस्य था, जिसे हटा दिया गया है। उसके स्थान पर सहायक प्रोफेसर नीरज को सदस्य बनाया गया है। समिति को निष्पक्ष जांच कर एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने के निर्देश दिए गए हैं, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री आज शहर में भरेंगे चुनावी हुंकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

■ 20 स्थानों पर जनसभाओं को संबोधित कर मांगेंगे वोट

प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को सोनीपत में करीब 20 स्थानों पर चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे। नगर निगम चुनाव के मद्देनजर सभी 22 वार्डों में होने वाली भाजपा की चुनावी सभाओं के लिए संगठन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं।

राई में सबसे पहले पहुंचेंगे

मुख्यमंत्री अपने दौरे की शुरुआत राई गांव से करेंगे, जहां वह वार्ड-8 में हरिओम त्यागी के मकान के सामने मोबाइल टावर के पास पूर्वाह्न 11 बजे पहली सभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह पंडितों वाली चौपाल, गांव राठधाना (वार्ड-9) में 11.30 बजे, सामुदायिक केंद्र, खेवड़ा रोड बहालगढ़ (वार्ड-7) में दोपहर 12 बजे और जनता शिक्षा सदन के सामने गांव गढ़ शहजानपुर (वार्ड-6) में 12.30 बजे सभा करेंगे। इसके बाद अग्रसेन भवन, सेक्टर-14 (वार्ड-3 व 4) में दोपहर 1 बजे, बीज मार्केट कम्युनिटी सेंटर के पास, बस स्टैंड के नजदीक (वार्ड-2) में 1.30 बजे, ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, गैस एजेंसी ऑफिस के पास (वार्ड-5) में 2 बजे और जैन विद्या मंदिर, ज्योतिबा फुले चौक (वार्ड-1) में 2.15 बजे कार्यक्रम होगा। इसके पश्चात 100 फुटा रोड, गोहाना रोड बाईपास (वार्ड-22) पर 2.30 बजे, गढ़ी ब्राह्मणान, मयूर विहार के पास (वार्ड-21) में 3 बजे, राजू बैंक्वेट, सेक्टर-23 (वार्ड-19 व 20) में 3.30 बजे और सेक्टर-23 में चाय कार्यक्रम 4 बजे आयोजित होगा। शाम को छोटूराम कॉलेज के सामने (वार्ड-18) में 4.30 बजे, पुरानी अनाज मंडी (वार्ड-16) में 5 बजे, कालूपुर गांव के चौक वाला पार्क (वार्ड-17) में 5.30 बजे और रामजस स्कूल (वार्ड-10) में 6 बजे सभा होगी। इसके बाद वृंदावन गार्डन, कबीरपुर (वार्ड-11) में 6.30 बजे, गोसाई धर्मशाला, सिक्का कॉलोनी (वार्ड-13) में 7 बजे, भगत पेट्रोल पंप, ओल्ड डीसी रोड (वार्ड-12 व 14) में 7.30 बजे और अंत में पूर्व विधायक अनिल ठक्कर की कोठी के सामने, झंडी रोड (वार्ड-15) पर रात 8 बजे चुनावी सभाओं को संबोधित करेंगे।

शहर में आंधी-तूफान से जनजीवन प्रभावित, कई जगह बिजली गुल

सोनीपत। शहर में रविवार देर रात आई तेज आंधी और तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। अचानक बदले मौसम के कारण शहर के कई इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तेज हवाओं के साथ धूल भरी आंधी चलने से सड़कों पर दृश्यता कम हो गई और राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तूफान के दौरान कई स्थानों पर पेड़ की टहनियां टूटकर सड़कों पर गिर गईं, जिससे यातायात प्रभावित हुआ। इसके अलावा कुछ जगहों पर बिजली के खंभों और तारों को भी नुकसान पहुंचा। तेज हवा के चलते शहर के कई हिस्सों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को अंधेरे में समय बिताना पड़ा। बिजली निगम की टीमें मौके पर पहुंचकर आपूर्ति बहाल करने में जुट गईं। अधिकारियों के अनुसार, प्रभावित क्षेत्रों में मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है।

युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने का चौथा आरोपी भी गिरफ्तार

■ हत्याकांड के तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही कर चुकी गिरफ्तार

सोनीपत। थाना राई पुलिस ने चाकू से वार कर युवक की हत्या के मामले में चौथे आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान जितेंद्र निवासी कमलापुर, जिला भागलपुर (बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे न्यायालय में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। पुलिस के अनुसार 14 मार्च को अनिल निवासी विकास कुंज, दिल्ली ने शिकायत दी थी कि उसका मामा का बेटा राजू पुत्र फूलचंद गांव लिवान में कपड़ों की रेहड़ी लगाता था और किराये के कमरे में रहता था। 13 मार्च की रात वह कमरे पर आया था, जबकि अगली सुबह उसकी हत्या की सूचना मिली। इस मामले में महिला उपनिरीक्षक शकुंतला की टीम पहले ही तीन आरोपितों गुलशन, रोहित और सूरज को गिरफ्तार कर चुकी है।

अजय मलिक ने जीता राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट

गोहाना । गांव मदीना स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाड़ी अजय मलिक ने राष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान हासिल कर ट्रॉफी अपने नाम की। रविवार को अकादमी पहुंचने पर उनका नागरिक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अकादमी संचालक पहलवान अजमेर मलिक ने की। ऑल इंडिया टेनिस एसोसिएशन (एआईटीए) द्वारा दिल्ली के वेंकटेश्वर कॉलेज में आयोजित इस प्रतियोगिता में अजय ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल में प्रनील शर्मा को 3-6, 6-3, 6-2 से हराया। फाइनल में सार्थक सुडान को 5-7, 6-0, 6-3 से हराकर खिताब जीता। टूर्नामेंट के सिंगल वर्ग में सार्थक गुलाटी उपविजेता रहे। विजेता खिलाड़ी को कोच व गणमान्य लोगों ने सम्मानित कर बधाई दी।

हड़ताल : शहर से तीसरे दिन भी नहीं उठा कचरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गोहाना

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई है। हड़ताल के तीसरे दिन भी शहर से कचरा नहीं उठाया गया, जिससे जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों में जमा कचरे से बदबू फैलने लगी है, जिससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित हो रही है। कई स्थानों पर लोग मजबूरी में घरों का कचरा सड़कों पर फेंक रहे हैं। नगरपालिका संघ हरियाणा के आह्वान पर शुरू हुई इस हड़ताल में नगर परिषद के स्थायी कर्मचारियों को छोड़कर डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाली एजेंसी, स्वीपिंग एजेंसी और पालिका रोल के कर्मचारी शामिल हैं। कर्मचारियों के एकजुट होने से शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह ठप हो गई है। जानकारी के अनुसार, शहर से प्रतिदिन करीब 39 टन कचरा निकलता है, लेकिन पिछले तीन दिनों से उसका उठान नहीं होने के कारण हालात गंभीर होते जा रहे हैं। डंपिंग प्वाइंटों पर भी कचरे का ढेर लग गए है। संघ की

गोहाना। मांगों को लेकर नारेबाजी करते सफाई कर्मचारी।

न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये लागू करने की मांग

गोहाना इकाई के अध्यक्ष प्रेम सिंह ने कहा कि सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करे और उन्हें सम्मानजनक वेतन दिया जाए। उन्होंने न्यूनतम वेतन 30 हजार रुपये लागू करने, पुरानी पेंशन बहाल करने और निकायों में ठेकेदारी प्रथा खत्म करने की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें पूरी होने तक हड़ताल जारी रहेगी।

फार्म हाउस के पानी के टैंक से देसी कट्टा व कारतूस बरामद

खरखौदा। रोहतक रोड स्थित एक फार्म हाउस में पानी के टैंक की सफाई के दौरान देसी कट्टा और जिंदा कारतूस मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फार्म हाउस पर कार्यरत कर्मचारी दीपक पानी की होदी की सफाई कर रहा था। इसी दौरान उसे टैंक के अंदर संदिग्ध वस्तु दिखाई दी, जिस पर उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने जांच करते हुए एफएसएल टीम को भी बुलाया। जांच के दौरान पानी के टैंक से एक देसी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया। पुलिस ने हथियार को कब्जे में लेकर सील कर दिया है। इस संबंध में पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि उक्त हथियार फार्म हाउस तक कैसे पहुंचा और इसके पीछे किसका हाथ है। मामले के जांच अधिकारी ने बताया कि जल्द इस बारे में खुलासा किया जाएगा।

■ होदी की सफाई कर रहे कर्मचारी ने संदिग्ध वस्तु देखकर पुलिस को सूचना दी

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म जबरन गर्भपात कराने का आरोप

■ पीड़ित के बयान पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज

सोनीपत। सेक्टर-27 थाना क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने और गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात कराने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी युवक फिलहाल मोबाइल बंद कर फरार बताया जा रहा है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह एक निजी अस्पताल में कार्यरत है, जहां उसकी मुलाकात राजा नाम के युवक से हुई थी। युवती के अनुसार उसने अपनी पहली शादी और चल रहे तलाक के बारे में युवक को पहले ही बता दिया था। इसके बावजूद आरोपी ने शादी का प्रस्ताव रखा और उसे विश्वास में लेकर उसके साथ संबंध बनाए। युवती का आरोप है कि इस दौरान वह गर्भवती हो गई। जब उसने शादी के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने पारिवारिक कारणों का हवाला देकर उसे टाल दिया और गर्भपात कराने के लिए मजबूर किया। पहले दवाइयों के जरिए गर्भ गिराने की कोशिश की गई, लेकिन असफल रहने पर ऑपरेशन करवाया गया।

पीड़िता का कहना है कि ऑपरेशन के बाद आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया और उसे सभी माध्यमों से ब्लॉक कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

शिक्षा छात्रों की संज्ञानात्मक अनभिज्ञता के रोग का उपचार करने वाले तकलीफदेह अस्पताल की तरह नहीं है, बल्कि यह उनके स्वास्थ्य की एक क्रिया है , जो उनके मस्तिष्क के चेतना की एक सहज अभिव्यक्ति है।
- रविंद्रनाथ टैगोर

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ू सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुज़ुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाज़ा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते है। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी-वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

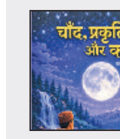

समीक्षक
डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नज़र आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ़्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा
कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल | श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़्में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता | सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

व्यंग्य | विनीत पाण्डेय

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतज़ार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा
मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग
कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल
करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज़, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज़ और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

आज मौसम सुहावना रहने की उम्मीद

बहादुरगढ़। एनसीआर में सोमवार (4 मई) को मौसम सुहावना रहने की की उम्मीद है। मौसम विभाग ने गर्जना के साथ ही तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश का पूर्वानुमान जताया है। रविवार को बहादुरगढ़ में न्यूनतम तापमान 24 डिग्री और अधिकतम तापमान 37 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। बेशक लोगों को उमस भरी गर्मी थोड़ा सता रही है। लेकिन सोमवार को मौसम के फिर से करवट लेने की उम्मीद है। विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में नए पश्चिमी विक्षोभ क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं।

पेलपा-सोंधी के बीच दो लाख के तार चोरी

बहादुरगढ़। गांव पेलवा में 11 केवी सोंधी अप लाइन के लगभग 10 स्पेन के एचटी लाइन के तार तथा 100 केवीए पुरान वाला टीएफ के लगभग 10 स्पेन के एलटी तार चोरी हो गए हैं। बादली थाना पुलिस ने जेई दीपक ढाका की शिकायत पर एसेंशियल कमोडिटीज एक्ट की धारा 136 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत में कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि एएलएम सचिन व दिनेश की सूचना पर जांच की गई तो पता लगा कि चोरी हुए तारों से बिजली निगम को करीब 2 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

नशीली दवाओं और इंजेक्शन के साथ पकड़ा

बहादुरगढ़। पुलिस ने जाखोदा के निकट एक व्यक्ति को 60 नशीली गोलियों व 5 नशीले इंजेक्शनों के साथ काबू किया है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर सुरेश निवासी जाखोदा को काबू किया। नियम अनुसार सक्षम राजपत्रित अधिकारी के समक्ष तलाशी ली गई तो आरोपी के कब्जे से 60 नशीली गोलियां मिली तथा 5 इंजेक्शन बरामद हुए।

खरमाण में फसल अवशेष जलाने पर एफआईआर

बहादुरगढ़। खरमाण गांव में फसल अवशेष जलाने के मामले में सख्ती दिखाते हुए सदर थाना पुलिस ने कृषि पर्यवेक्षक पंकज की शिकायत पर अभियोग अंकित किया है। पुलिस को दी शिकायत में ग्राम स्तरीय संयुक्त टीम के सदस्य पंकज ने बताया कि गांव खरमाण में 30 अप्रैल को फसलों के अवशेष जलते हुए पाए गए।

इस्कॉन प्रचार समिति ने हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल किया प्रभु गुणगान

भगवान के शरणागत पर सदैव होती है प्रभु की कृपा : रघु कुमार दास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

इस्कॉन प्रचार समिति, सोनीपत की ओर से रविवार को वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकाल प्रभु गुणगान किया गया। प्रभातफेरी की शुरुआत सुबह सूरी पेट्रोल पंप वाली गली से तुलसी पूजन व आरती के साथ की गई। इसके बाद प्रभातफेरी आसपास के क्षेत्रों से होते हुए वापस इस्कॉन प्रचार केंद्र में संकीर्तन करके संपन्न हुई। मार्ग पर जगह-जगह हरिनाम का गुणगान किया गया। श्रद्धालुओं ने प्रभातफेरी के दौरान भक्तिमय गीतों के साथ भगवान श्रीकृष्ण के नाम का संकीर्तन किया। मार्ग में अनेक स्थानों पर स्थानीय लोगों ने प्रभातफेरी का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। समिति की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया गया। रघु कुमार दास ने भगवान की महिमा का वर्णन करते हुए बताया कि जो जीव एक बार भी भगवान का नाम ले लेता है, तो वह भगवान के शरणागत हो जाता है। भगवान उन पर अपनी कृपा सदैव करते हैं। प्रभातफेरी में कृष्ण कृपा दास, ब्रज नारदस, भागवत तत्व दास, ईश्वर चंद्र गौड़, सहदेव प्राण दास, रामसेवक दास, कृष्ण कुमार गर्ग, मास्टर जयभगवान, जगदीप पांचाल जी, शालिग्राम दास सहित काफी श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। वेस्ट रामनगर में हरिनाम संकीर्तन प्रभातफेरी निकालते इस्कॉन प्रचार समिति के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

सुंदरकांड पाठ और रामकथा का आयोजन

सोनीपत। सोनीपत में राम परिवार की ओर से गीता भवन मंदिर में सुंदरकांड पाठ, हरिनाम संकीर्तन और रामकथा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संजीव वलेचा ने कथा का संचालन किया। संस्था प्रमुख अरोड़ा ने हनुमान के पराक्रम का वर्णन करते हुए बताया कि उन्होंने समुद्र लांघकर सीता की खोज की, लंकिनी को परास्त किया और रावण दरबार में निर्भीक संवाद किया। अशोक वाटिका में सीता को राम की मुद्रिका देकर उन्हें आश्वस्त किया। अंत में लंका दहन कर रावण को उसके अंत का संकेत दिया। कार्यक्रम में शाम रहेजा, ललित बत्रा, महेश पांडे, मुकेश आनंद, अशोक, भोजदत्त, ओम चौधरी, दिनेश अरोड़ा, विजय, मेहर चंद, रमाकांत, वरुण, मनोज, राजन, धीरज और भूषण मौजूद रहे। अंत में आरती और लंगर प्रसाद वितरण हुआ।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित श्रद्धालुगण। *फोटो : हरिभूमि*

गोहाना। पौधारोपण करते संगठन के सदस्य। *फोटो : हरिभूमि*

ग्रीन सिटी साप्ताहिक अभियान में संगठन ने लगाए तीस पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

■ संगठन के सदस्यों ने सोनीपत मार्ग पर आंबेडकर चौक के समीप डिवाइडर पर रोपे पौधे

समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को अपने गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत 30 पौधे रोपे। पौधारोपण सोनीपत मार्ग और अंबेडकर चौक के समीप डिवाइडर पर किया गया। नवरोपित पौधों को पशुओं से सुरक्षा के दृष्टिगत ट्री गार्डों में संरक्षित किया गया। अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की।

संगठन द्वारा बाइपास के साथ चम्पा, आंवला और जंगली जलेबी के 30 पौधे रोपे। संगठन की टीम द्वारा पुराने पौधों की निराई-गुड़ाई के बाद सिंचाई की की गई। संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने कहा कि घरों के आंगन व आसपास लगाए गए पौधों को गर्मी से बचाने के लिए उनकी हर तीसरे दिन सिंचाई अवश्य करें। पौधारोपण में महावीर पांचाल, अशोक, प्रदीप कुमार, पवन, दीपक, डॉ. बिजेंद्र, अभिमन्यु शर्मा, मनोज प्रजापति और बलजीत जांगड़ा सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा।

223 मरीजों का जांचा स्वास्थ्य , 11 ने किया रक्तदान

सोनीपत। शिविर के दौरान मरीजों को दवाइयां वितरित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम में विभिन्न संस्थाओं के सहयोग से आयोजन

खाटू श्याम मंदिर सोनीपत धाम मोहन नगर में 38वां मेगा स्वास्थ्य जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। सेफ इंडिया फाउंडेशन, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन, श्री श्याम बालाजी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भंडार, श्री खाटू श्याम मंदिर ट्रस्ट और सोनीपत धाम के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस शिविर में 223 मरीजों ने जांच करवाई और 11 लोगों ने रक्तदान किया। प्रधान संजय सिंगला और चेयरमैन वाईके त्यागी ने बताया कि यह शिविर हर महीने के पहले रविवार को लगाया जाता है। सीए अनुज मंगला ने बताया कि डॉ. रामावतार, डॉ. अल्पना सिंघल, योगा ट्रेनर मीनाक्षी और पिंकी ने 79 मरीजों की जांच की। अनिल गुप्ता और अरविन्द मित्तल के अनुसार डॉ. अभिमन्यु सिंह के मार्गदर्शन में डॉ. प्रवेश मुदगिल और डॉ. संजीत खत्री ने मरीजों की जांच की।

डॉ. वरुण शर्मा और डॉ. इरफान ने 24 मरीजों के दांत जांचे, जबकि अनिपाल लकड़ा ने 12 मरीजों को सेवा दी। कैंप इंचार्ज बलराज वशिष्ठ के अनुसार डॉ. एसएन गुप्ता और राजेश गुप्ता ने दवाइयां वितरित कीं। अंत में सभी सहयोगियों का आभार जताया गया।

नारायण सेवा के संकल्प के साथ शिविर का आयोजन

गोहाना। रविवार को भारतीय किसान संघ द्वारा दिल्ली के अस्पताल के सहयोग से गांव बुटाना स्थित जैन स्थानक में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य रूप से हड्डी रोग और श्वास रोग विशेषज्ञों ने सेवाएं दी। शिविर में ग्रामीणों की फ्री ईसीजी, पीएफटी, ब्लड शुगर, रक्तचाप की जांच की गई। संघ की युवा इकाई के अध्यक्ष नीरज शर्मा ने कहा कि संघ न केवल किसानों के हकों की लड़ाई लड़ता है बल्कि उनके और उनके परिवार के स्वास्थ्य के प्रति भी जागरूक है। शिविर का आयोजन विकास बुटाना ने किया। कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा के संकल्प के साथ शिविर का आयोजन किया गया।

गोहाना। मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करते चिकित्सक।

प्रजापति धर्मशाला के सौंदर्यीकरण के लिए विधायक ने सौंपा पांच लाख रुपये का चेक

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान ने पांच लाख रुपये की ग्रांट का चेक देते हुए । *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

■ धर्मशालाएं केवल एक भवन नहीं होती, बल्कि यह समाज को जोड़ने का बड़ा केंद्र होती है : कादियान

गन्नौर से विधायक देवेंद्र कादियान ने प्रजापति धर्मशाला के सौंदर्यीकरण और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 5 लाख रुपए की ग्रांट जारी की है। उन्होंने विधायक कोष से स्वीकृत इस राशि का चेक प्रजापति संस्था के प्रधान रणबीर फौजी को सौंपा। विधायक कादियान का धर्मशाला पहुंचने पर समाज के लोगों ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। गौरतलब है कि विधायक कादियान ने हाल ही में आयोजित गुरु दक्ष जयंती समारोह के दौरान समाज के लोगों की मांग पर धर्मशाला के विकास कार्य के लिए यह राशि देने की घोषणा की थी, जिसे उन्होंने अब पूरा कर दिया है। विधायक ने कहा, धर्मशालाएं केवल एक भवन नहीं होती, बल्कि यह समाज को जोड़ने और सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का बड़ा केंद्र होती है। संस्था के प्रधान रणबीर फौजी, उपप्रधान सुभाष अगवानपुर, रामसिंह, सुखबीर सरपंच, बिजेंद्र पांची, बलबीर, रामनिवास, दलबीर चिरस्मी, पार्षद वरूण जैन, सदाराम आदि मौजूद रहे।

शिक्षा के साथ संस्कार व राष्ट्रभक्ति पर जोर

सोनीपत। अंचल कार्यालय में एकल अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंचल अध्यक्ष संजय सिंगला, संच अध्यक्ष नवीन और सभी सेवाव्रती कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक में अभियान की प्रगति और आगामी योजनाओं पर चर्चा की गई। संजय सिंगला ने कहा कि एकल विद्यालय केवल शिक्षा ही नहीं, बल्कि बच्चों में संस्कार, नैतिकता और राष्ट्रभक्ति विकसित करने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य गांव-गांव तक शिक्षा पहुंचाना और हर बच्चे को शिक्षित बनाना है। बैठक में जानकारी दी गई कि अंचल सोनीपत में फिलहाल 6 संच सक्रिय हैं और प्रत्येक के तहत 30 विद्यालय खोलने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। इस दौरान बिजेन्द्र, अर्चना, निखिल, मुकेश, रमेश, दीपक, दिलबाग और सत्यवान सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने भी अपने विचार सांझा किए।

टेंडर शर्तों के उल्लंघन पर ट्रांसपोर्टर को 25 हजार जुर्माने का नोटिस जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ झज्जर

रविवार को डीसी स्वप्निल रविन्द्र पाटिल ने गांव छारा में चल रही गेहूं खरीद व उपज उठान व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने खरीद एजेंसियों और संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गेहूं के उठान कार्य में तेजी लाएं। यदि कहीं भी ढिलाई पाई गई, तो संबंधित एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने आढ़तियों और किसानों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को समस्या के जल्द समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि छारा स्थित खरीद केंद्र में अब तक 15 हजार 49 मीट्रिक टन गेहूं की आवक दर्ज हुई है जबकि 10 हजार 966 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। वहीं 6 हजार 463 मीट्रिक टन गेहूं का उठान हो चुका है।डीएफएससी राजेश्वर मुदगिल ने बताया कि छारा खरीद केंद्र पर टेंडर शर्तों का

उल्लंघन करने और धीमी उठान एवं अपर्याप्त वाहन उपलब्धता के चलते खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा ट्रांसपोर्टर को 25 हजार रुपये जुर्माने का नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि छारा खरीद केंद्र पर गेहूं उपज के धीमी उठान और टेंडर शर्तों के अनुरूप वाहन उपलब्ध ना होने के कारण ट्रांसपोर्टर को नोटिस जारी गया है। साथ ही ट्रांसपोर्टर को खरीद केंद्र पर शेष गेहूं के स्टॉक का उठान समयबद्ध रूप से प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑपरेशन के बाद महिला की मौत डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप

सोनीपत। एक निजी अस्पताल में पथरी के ऑपरेशन के बाद एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। खेवड़ा गांव निवासी रोहित ने अपनी मां संतोष देवी की मौत के लिए डॉक्टरों को जिम्मेदार ठहराया है। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के दौरान छोटी आंत कटने से शरीर में संक्रमण फैल गया और ज्यादा ब्लीडिंग के कारण महिला की मौत हो गई। रोहित के अनुसार पेट दर्द की शिकायत पर 25 मार्च को महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डॉक्टरों ने दूरबीन से ऑपरेशन का आश्वासन दिया, लेकिन परिजनों का कहना है कि बिना बताए ओपन सर्जरी की गई। ऑपरेशन के बाद महिला की हालत बिगड़ती गई और दोबारा ऑपरेशन की बात कही गई। परिजनों का आरोप है कि दूसरी सर्जरी से पहले पैसे मांगे गए और कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए। 31 मार्च को महिला की मौत हो गई। मामले में डॉक्टर की कथित स्वीकारोक्ति का वीडियो और ऑडियो भी सामने आया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जांच शुरू कर दी है और दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं।

अजय दहिया बने सोनीपत इकाई के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ भाजपा सीए सेल सोनीपत की नई टीम की घोषणा की

भाजपा सीए सेल हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सीए नितिन बंसल द्वारा भाजपा सीए सेल सोनीपत की नई टीम की घोषणा की गई। इस अवसर पर सोनीपत में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नई टीम में सीए अजय दहिया को सोनीपत इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं सीए निकिता चौहान को उपाध्यक्ष, सीए परवीन मदान को सचिव, सीए मनीष कुमार को प्रवक्ता तथा सीए अंकित शर्मा को सोशल मीडिया एवं आईटी प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा सीए सेल हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता सीए हितेश ढुल ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शहीद गुलाब सिंह लोधी ने तिरंगे के लिए प्राण न्योछावर कर दिए थे : डांगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

■ तिरंगा चौक पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मिलकर शहीद गुलाब सिंह लोधी की 123 वीं जयंती मनाई

गोहाना रोड सोनीपत स्थित तिरंगा चौक पर विभिन्न सामाजिक संगठनों ने मिलकर शहीद गुलाब सिंह लोधी की 123 वीं जयंती मनाई। जिसमें मुख्य अतिथि गोहाना से पहुंचे आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने कहा शहीद गुलाब सिंह लोधी ने अपने देश की आन-बान और शान तिरंगे के लिए अपने प्राणों को न्योछावर कर दिया था। 3 मई 1903 में जन्मे अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी ने 23 अगस्त 1935 को लखनऊ के अमीनाबाद पार्क में झंडा सत्याग्रह आंदोलन के दौरान अंग्रेजी हुकूमत को ललकारते हुए बैल हाकने वाले डंडे में तिरंगा झंडा डालकर पेड़ की सबसे ऊंची चोटी पर फहरा दिया था। अंग्रेजी हुकूमत ने गोली चलाने के आदेश दे दिए और 23 अगस्त 1935 को गुलाब सिंह लोधी शहीद हो गए। जयंती समारोह की अध्यक्षता आरोग्य भारती सोनीपत के संयोजक रिटायर्ड प्रिंसिपल शिवचरण पांचाल ने की। इस अवसर पर सुरेश फौजी, जयपाल भनवाला सतीश प्रजापति, अमित, वजीर कश्यप तथा धन सिंह प्रजापति आदि मुख्य रूप से मौजूद रहे।

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान शहीद को नमन करते हुए।

किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया

गेहूं लिफ्टिंग व खाद उपलब्धता को लेकर किसानों की बैठक, आगामी आंदोलन की रणनीति तैयार

■ समय पर लिफ्टिंग न होने से भुगतान में भी देरी हो रही है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

भारतीय किसान यूनियन के नेता जयभगवान मलिक के कार्यालय पर शुक्रवार को किसानों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडियों में फसल की लिफ्टिंग में आ रही दिक्कतों और खरीफ सीजन के लिए खाद की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। जय भगवान मालिक ने कहा कि कई स्थानों पर मंडियों में फसल उठान की प्रक्रिया धीमी चल रही है, जिसके कारण किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि समय पर लिफ्टिंग न होने से भुगतान में भी देरी हो रही है। बैठक में यह भी मुद्दा उठाया गया कि आने वाले खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में खाद की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो रही है। किसानों ने आशंका जताई कि यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो खेती कार्य प्रभावित हो सकता है।

किसान नेता जयभगवान मलिक ने कहा कि यदि जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो किसानों को मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा। बैठक में मौजूद किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद करने का निर्णय लिया। किसानों ने सरकार से मांग की कि मंडियों में लिफ्टिंग प्रक्रिया को तेज किया जाए ।

गन्नौर। भारतीय किसान यूनियन के नेता जयभगवान मलिक बैठक के दौरान। *फोटो : हरिभूमि*

खबर संक्षेप

फाउंडेशन ने जरूरतमंदों को बांटा घरेलू सामान

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा खाटूश्याम मंदिर परिसर में जरूरतमंद लोगों को नए व पुराने उपयोग योग्य कपड़े और घरेलू सामान वितरित किए गए। इस अवसर पर चेयरमैन वाई. के. त्यागी और प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि संस्था कई वर्षों से समाजसेवियों और आम लोगों से ऐसे कपड़े व सामान एकत्र कर जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्रों में जाकर भी नियमित रूप से सहायता प्रदान की जाती है।

विद्यार्थियों में हाउस टी-शर्ट और यूनिफार्म बांटी

गोहाना। गांव छतैहरा स्थित पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को हाउस टी-शर्ट और यूनिफार्म वितरित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के इंचार्ज कृष्ण सिवाच ने की और मंच संचालन डॉ. भावना ने किया। विद्यालय में इतिहास प्रवक्ता मनजीत भौरिया महाविद्यालय में प्रोफेसर के पद पर चयन हुए हैं। इसी खुशी में उन्होंने विद्यालय में दाखिला लेने वाले 40 विद्यार्थियों में हाउस टी-शर्ट और यूनिफार्म वितरण की सेवा की।

ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में आलोक ने जीता स्वर्ण

गन्नौर। आरपीएस गन्नौर में आयोजित 6वीं जिला ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में चाइल्ड केयर इंटरनेशनल स्कूल के छात्र आलोक ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। कोच सनी ने बताया कि प्रतियोगिता में विभिन्न स्कूलों के खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन आलोक ने अपने शानदार खेल, आत्मविश्वास और तकनीकी कौशल के दम पर सभी प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान पाया। आलोक का चयन राज्य स्तरीय ताइक्वांडो चैम्पियनशिप के लिए भी हुआ है।

29 करोड़ से एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं की जा रही विकसित

सोनीपत स्टेशन के दूसरे भवन के रेनोवेशन का काम अंतिम चरण में

- 29 करोड़ की लागत से नवीनीकरण का कार्य अंतिम चरण में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कार्यों को जून 2026 तक पूरा करवाने का रखा लक्ष्य, पहले मार्च माह तक किया जाना था पूरा

सोनीपत। स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार के साथ पुराने भवन में चल रहा रेनोवेशन का कार्य।

रेलवे स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत प्रथम चरण में 29 करोड़ रुपये से नवीनीकरण के कार्य जारी है। यात्रियों की सुविधा के लिए नए फुट ओवरब्रिज के अलावा निर्माणाधीन नए भवन के साथ पुराने भवन में रेनोवेशन कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। मुख्य प्रवेश द्वार के दोनों ओर निर्माणाधीन भवन एक समान नजर आएंगे। नए भवन के अधिकतर काम पूरा कर लिया गया है, जबकि पुराने भवन में मरम्मत संबंधी कार्य करवाकर छोटी-मोटी कमियों को दूर कर इसे नया रूप दिया जाएगा, ताकि स्टेशन के सौंदर्यीकरण को बढ़ावा मिल सके। सोनीपत स्टेशन पर चल रहे सभी कार्यों को रेलवे ने जून 2026 तक पूरा करवाने का लक्ष्य रखा है, जबकि पहले यात्रियों को मार्च के बाद एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाना सुनिश्चित किया गया था। कुछ लंबित कार्यों के चलते काम पूरा करवाने की अवधि को बढ़ाया गया है। सोनीपत स्टेशन पर आवागमन करने वाले यात्रियों इस साल आधुनिक सुविधाएं मुहैया करवाने का निर्णय लिया गया है, जहां एक ओर नए फुट ओवरब्रिज के साथ लिफ्ट व एक्सीलेटर की सुविधा पर काम जारी है। वहीं नए भवन में 18 जनवरी को बुकिंग कार्यालय व नए टिकट काउंटरों की शुरुआत कर दी गई है। इसके बाद यात्रियों के लिए प्लेटफार्म नंबर 1 कैंटीन फूड प्लाजा की सुविधा को शुरू करवाया गया है। इनके अलावा प्लेटफार्म 1 को ऊंचा करने के लिए स्टैंडर्ड हाइट बढ़ाई जा रही है। इससे यात्रियों की मेट्रो की भांति ट्रेनों में चढ़ने व उतरने में सुविधा होगी। उक्त प्लेटफार्म को 2 व 4 के बराबर ऊंचा किया जा रहा है। पुराने भवन का नवीनीकरण होने के पश्चात इसे भी दिल्ली के मंगोलपुरी की सफेद जालीदार शीट से सजाया जाएगा। साथ ही मुख्य द्वार पर पांडवों के नाम से बन रहे पांच गुबंद महाभारतकालीन याद दिलाएंगे।

एक्सीलेटर से हुई थी शुरुआत

सोनीपत स्टेशन पर वर्ष 2023 में प्लेटफार्म नंबर 1 पर एक्सीलेटर लगवाकर नवीनीकरण कार्य की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ 6 अगस्त, 2023 को वर्चुअल माध्यम से सोनीपत स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला रखी थी।

कैशलेस सुविधा भी शुरू

टिकट काउंटर पर ज्यादा भीड़ होने के चलते यात्री नए भवन में बने प्रतीक्षालय में बैठकर अपनी बारी का इंतजार कर सकते हैं। इतना ही नहीं, सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों के लिए कैशलेस सुविधा ही शुरू की गई है।

इन सुविधाओं से परिपूर्ण होगा रेलवे स्टेशन

सोनीपत स्टेशन पर व्यावसायिक केंद्र, फूड प्लाजा, प्रतीक्षालय, सुविधाजनक बुकिंग कार्यालय, बड़ा प्रतीक्षालय हॉल, ऑटोमेटिक लाइट सिस्टम, आधुनिक शेड, दिव्यांग लोगों की सुविधा के लिए प्रवेशद्वार पर रैंप, रेलवे मेल सर्विस कार्यालय, फुट ओवरब्रिज जैसी सुविधाओं पर कार्य तेजी से पूर्ण किए जा रहे है। इनके अलावा सभी प्लेटफार्म पर लिफ्ट, चार एक्सीलेटर, जल बूथ, आधुनिक शौचालयों स्टेशन की शोभा बढ़ाएंगे। इनमें से कुछ कार्य मार्च में पूरे कर लिए गए हैं, जबकि अन्यों को पूरा करवाने के लिए काम में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

88 फीसदी कार्य किए जा चुके हैं पूरे

अमृत भारत स्टेशन परियोजना के तहत सोनीपत स्टेशन पर यात्रियों की सुविधाओं के लिए करीब 88 फीसदी कार्य पूरे किए जा चुके हैं। फिलहाल नए भवन के साथ पुराने भवन की रेनोवेशन का कार्य अंतिम चरण में है। साथ ही प्लेटफार्म नंबर 1 की ऊंचाई भी बढ़ाई जा रही है। रेलवे ने कार्यों को पूरा करवाने की अवधि को थोड़ा बढ़ाया है। निरंतर प्रयास है कि यात्रियों को जल्द आधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएं।

-पुष्पेश रमण त्रिपाठी, रेल प्रबंधक (डीआरएम), दिल्ली मंडल

बीएसटी कॉलोनी मंदिर में कीर्तन व विशाल भंडारा

गन्नौर। बीएसटी कॉलोनी स्थित मंदिर में धार्मिक श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ कीर्तन एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत हवन-यज्ञ से हुई, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भाग लेकर आहुति दी और सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद भजन-कीर्तन का आयोजन हुआ, जिसमें भक्तों ने भक्ति गीतों के माध्यम से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पूर्व पार्षद सतीश जैन ने सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि भविष्य में भी इसी तरह के धार्मिक और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे। समाज सेविका प्रोमिला धनखड़ ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में एकता, सद्भाव और सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि कीर्तन और भंडारे जैसे कार्यक्रम लोगों को जोड़ने का कार्य करते हैं और समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने सभी को आपसी भाईचारे और सहयोग की भावना से आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और आयोजन की सराहना की। इस मौके पर पूर्व पार्षद सतीश जैन, पार्षद वरुण जैन, खुशबू जैन, दिनेश अधलखा , प्रवीन सिंगल, प्रवीन कौशिक, सोनिया, सुदेश दहिया सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री की नीतियों पर पूरा भरोसा : राजीव जैन

सोनीपत। भाजपा के मेयर प्रत्याशी राजीव जैन ने रविवार को अपने जनसंपर्क अभियान के दौरान वीटा पार्क सेक्टर-14, कबीर सत्संग भवन सांवरी, निरंकारी भवन रेलवे रोड, पंडितों वाली गली बंदेपुर, तारानगर कुटिया, बालाजी मंदिर धर्मशाला महावीर कॉलोनी, पुरानी कश्यप चौपाल लहराड़ा , न्यू तारा नगर, ठाकुरद्वारा नजदीक आर्य समाज मंदिर मॉडल टाउन आदि जगहों पर सभाओं को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने लोगों से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की चुनावी जनसभाओं में उत्साहपूर्वक शामिल होने के लिए आह्वान किया। स्थानीय लोगों ने जैन का स्वागत किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की जनहितैषी नीतियों पर पूरा भरोसा है। जैन ने निरंकारी भवन, रेलवे रोड पहुंचकर संतों से भाजपा की जीत का आशीर्वाद लिया। उन्होंने सेवादारों और व्यवस्थापकों से आत्मीय भेंट कर पार्टी प्रत्याशियों को समर्थन देने की अपील की। इसके अलावा वार्ड- 9 में कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार की अध्यक्षता में मोनू राठधना की ओर से आयोजित जनसभा को संबोधित किया। इन कार्यक्रमों के दौरान सत्यवान लडवाल, राहुल, अजित ठरू, दिनेश अत्री, भारत ढुआ, नरेश नासा, अरुण धमीजा, राम मदान, महेंद्र, धर्मबीर राठी, राजबीर, प्रदीप, नवीन मुंजाल, वेद सैनी, धर्मबीर चोपड़ा, पप्पू, प्रिन्स, नरेंद्र गंगना, अशोक बागड़ी, पवन ढुग्गल, दिनेश कुच्छल, वेद प्रकाश शर्मा, जितेंद्र गोयल, मनोज गर्ग, रामनिवास रोहिल्ला, सुनील शर्मा आदि मौजूद रहे।

सोनीपत। जनसंपर्क अभियान के दौरान महिलाओं के समक्ष वोट की अपील करते हुए भाजपा प्रत्याशी राजीव जैन एवं अन्य।

ग्रामीण आंचल में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं : देवेंद्र

- रग्बी और पैरा एथलेटिक्स में गोल्ड मेडल जीतने वाले हैप्पी और प्रवीन का भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

गांव पांची जाटान की बजाड़ चौपाल में रविवार को सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बिहार में आयोजित हुई सीनियर राष्ट्रीय रग्बी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर लौटे हैप्पी बजाड़ और भुवनेश्वर में हुई सीनियर राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले प्रवीन बजाड़ के सम्मान में रखा गया था। दोनों खिलाड़ियों का गांव पहुंचने पर ग्रामीणों ने फूलमाला के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे विधायक देवेंद्र कादियान ने दोनों मेडल विजेताओं को सम्मानित किया और युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हैप्पी और प्रवीन ने राष्ट्रीय पटल पर गन्नौर का नाम रोशन कर यह साबित कर दिया है कि ग्रामीण आंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। हरियाणा सरकार खिलाड़ियों को हर संभव मदद देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर ब्लॉक समिति सदस्य बादल पहलवान, बबलू, अशोक, धर्मपाल, राकेश, योगेश कोच, अनुज बजाड़, प्रदीप पहलवान समेत काफी संख्या में ग्रामीण और खेल प्रेमी मौजूद रहे।

गन्नौर। विधायक देवेंद्र कादियान खिलाड़ियों का ग्रामीणों के साथ फूलमाला से स्वागत करते हुए।

बढ़ाया हौसला

समारोह में भारत केसरी अंतरराष्ट्रीय पहलवान मौसम खत्री, अंतरराष्ट्रीय पहलवान आशू बजाड़ और विश्व पुलिस खेल के स्वर्ण विजेता व अंतरराष्ट्रीय पहलवान हरीश खत्री ने भी विशेष रूप से शिरकत की। उन्होंने दोनों युवाओं की पीठ थपथपाई और उन्हें खेल जगत में और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

पोर्टल के नाम पर किया जा रहा है लोगों को मानसिक व आर्थिक रूप से प्रताड़ित : दिवान

विभिन्न वार्डों में डोर-टू-डोर अभियान चलाकर कांग्रेस के पक्ष में मांगा समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कांग्रेस के मेयर प्रत्याशी एवं शहरी जिला अध्यक्ष कमल दिवान ने कहा कि डिजिटल इंडिया का ढोल पीटने वाली सरकार ने असल में जनता को लाइनों में खड़ा कर दिया है। भाजपा ने परिवार पहचान पत्र , प्रापर्टी आइडी और आय प्रमाण पत्र आनलाइन तो कर दिया, लेकिन ये सुविधाएं आज आम आदमी के लिए जी का जंजाल बन चुकी हैं। लोग अपने ही कागजात की त्रुटियों को ठीक करवाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काट-काटकर थक चुके हैं, पर समाधान कहीं नहीं है। कमल दिवान ने रविवार को विभिन्न वार्डों में जनसभाओं और डोर-टू-डोर कार्यक्रमों के जरिए भाजपा सरकार पर करारा प्रहार किया। फाजिलपुर (वार्ड 6), फौजी चौक बंदेपुर (वार्ड 10), रेवली गांव (वार्ड 6), शिव वाटिका नंदवानी नगर (वार्ड 14) और गोपाल नगर गोपी मंदिर (वार्ड 20) में आयोजित जनसभाओं में दिवान ने भाजपा की नीतियों को जनता के लिए मुसीबत का पिटारा करार दिया। दिवान ने आरोप लगाया कि पोर्टल के नाम पर लोगों को मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। सरकार की नीतियां जनहित के बजाय जनता को उलझाने के लिए बनाई गई हैं। आज सोनीपत का हर कोना समस्याओं से जूझ रहा है। कार्यक्रम के दौरान कमल दिवान ककरोई रोड स्थित दुर्गा मंदिर में आयोजित भजन-कीर्तन में भी शामिल हुए, जहां उन्होंने श्रद्धालुओं से आशीर्वाद लिया। इसके बाद विभिन्न वार्डों में डोर-टू-डोर अभियान चलाकर लोगों से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस दौरान उनके साथ ग्रामीण जिला अध्यक्ष संजीव दहिया, हरियाणा कांग्रेस सह प्रभारी जितेंद्र बघेल, पूर्व विधायक सुरेंद्र पवार, जय भगवान आंतिल, संगठन महासचिव मुकेश पन्ना लाल, महासचिव अमनदीप पाराशर, सचिव अनुज जैन, सचिव अंकित मेहता, संदीप राणा फाजिलपुर, हरीश अरोड़ा, भूपेश दिवान, मनीष तनेजा व अन्य मौजूद रहे।

प्रचार के दौरान इनेलो जिलाध्यक्ष की गाड़ी पर पथराव

सोनीपत। विकास नगर में चुनाव प्रचार के दौरान रविवार को इनेलो के जिलाध्यक्ष कुनाल गहलावत की कार पर कुछ अज्ञात लोगों ने पथराव कर दिया। इस घटना में उनकी कार का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया। मामले को लेकर उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस को दी शिकायत में कुनाल गहलावत ने बताया कि वह अपने काफिले के साथ ककरोई रोड से गुजर रहे थे। जब उनका काफिला विकास नगर की गली नंबर-2 के पास पहुंचा, तभी एक घर की ओर से अचानक पथराव शुरू हो गया। पथराव के दौरान एक पत्थर उनकी गाड़ी पर लगा, जिससे कार का शीशा टूट गया। गहलावत ने आरोप लगाया कि यह हमला उन्हें चुनाव प्रचार से रोकने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने सिटी थाना पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

सोनीपत। इनेलो जिलाध्यक्ष पुलिस कर्मी को जानकारी देते हुए।

समय और जीवन दुनिया के बेहतरीन शिक्षक : महेन्द्र

जिंदगी का महत्व समझने के लिए समय का सदुपयोग करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

समय और जीवन दुनिया के सबसे बेहतरीन शिक्षक हैं। जीवन हमें समय का सही उपयोग करना सिखाता है और समय जीवन की कीमत। इसलिए जीवन में कुछ हासिल करने के लिए जीवन को प्रकृति का अनमोल तोहफा समझें और समय का सदुपयोग करें। यह बात शहर में सोनीपत मार्ग स्थित शेर सिंह पब्लिक स्कूल के एमडी महेंद्र सिंह मलिक ने कही। वे विद्यार्थियों को जीवन में समय का महत्व समझा रहे थे।

समय के सदुपयोग से ही बेहतर जीवन

महेंद्र सिंह मलिक ने कहा कि समय के सदुपयोग से ही बेहतर जीवन है। जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत को पहचान लिया उसके लिए उसका जीवन भी उतना ही कीमती होगा और वह एक दिन अपने मुकाम को अवश्य हासिल कर लेगा। अगर हम समय को व्यर्थ में गवां देंगे तो जीवन भी अर्थहीन बन जाएगा। समय हमें जीवन का सही महत्व सिखाता है। यह हमें गलतियों से सीखने और धैर्य के साथ आगे बढने की प्रेरणा भी देता है। उन्होंने कहा कि जीवन का एक-एक क्षण बहुत कीमती है। विद्यार्थी अपने समय को नष्ट न करें अपितु इसे पढ़ाई में लगाएं। अगर हम समय की कीमत को नहीं पहचानेंगे तो हमारा जीवन एक दिन हमें इसकी उपयोगिता सिखा देगा लेकिन तब तक बहुत कुछ हाथ से निकल चुका होगा। यह इसलिए कि बीता हुआ समय वापस नहीं आता।

निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा के लिए हुए 178 पंजीकरण

गोहाना। पंजाबी सेवा संगठन द्वारा 2100 बेटियों को निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा के पहले चरण में अब तक 178 बेटियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। अब संगठन द्वारा पंजीकरण की अंतिम तिथि को बढ़ा दिया गया है। सहकारिता एवं पर्यटक मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा उनकी धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा के सानिध्य में पंजाबी सेवा संगठन द्वारा 2100 बेटियों को निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा अभियान शुरू किया गया है। अभियान का मूल उद्देश्य बेटियों को कम्प्यूटर शिक्षा देकर आत्मनिर्भर बनाना है। संगठन अध्यक्ष सुमित कक्कड़ ने बताया पहले चरण में 201 बेटियों को कंप्यूटर शिक्षा का देने का लक्ष्य रखा है जिनमें से 178 बेटियों ने अपना पंजीकरण करवाया है। संस्थापक सदस्य अरुण बड़ौक एवं सुरेंद्र कालड़ा से विचार विमर्श के बाद संगठन द्वारा पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाकर 5 मई कर दी गई है ताकि पहले चरण के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। इस अवसर पर महासचिव पंकज पसरीजा, उपाध्यक्ष दीपक कपूर, सुरेंद्र मेहता, मीना वत्स, मनोज कक्कड़ व परवीन खन्ना उपस्थित रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

प्रदर्शन कर्मचारी आज नगर निगम कार्यालय के गेट पर तालाबंदी कर मुख्यमंत्री के पुतले का करेंगे दहन

लंबित मांगें पूरी नहीं होने पर कर्मचारी 5 मई को शहर में बाइकों पर निकालेंगे रोष मार्च

हड़ताल पर बैठे दमकल और सफाई कर्मचारियों को विभिन्न संघों का समर्थन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर प्रदेशभर के नियमित व अनियमित दमकल कर्मचारियों की चल रही राज्यव्यापी हड़ताल को 26वां दिन रहा। नगर निगम कार्यालय परिसर में 93 दमकल कर्मियों के साथ नगरपालिका कर्मचारी संघ के सदस्यों ने धरना देकर सरकार के प्रति रोष जताया। धरने की अध्यक्षता दमकल यूनियन के जिला प्रधान राजीव खत्री, नपा कर्मचारी संघ के इकाई कोषाध्यक्ष दीपक बोहोत ने की। संचालन जिला सचिव अमित दहिया ने किया। लंबित मांगों को लेकर नपा कर्मचारी संघ ने भी सरकार की वायदाखिलाफी व हठधर्मिता के चलते 5 मई तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। उधर शहर के बाजारों व पांच वार्डों में नियमित सफाई नहीं होने से अव्यवस्था का माहौल बनने लगा है।

सोनीपत। नगर निगम कार्यालय परिसर में धरने पर बैठे दमकल व नपा कर्मचारी संघ के सदस्य।

सोनीपत। तैयार किया सीएम का पुतला।

हड़ताल से शहर में सफाई व्यवस्था हो जाएगी ठप

जिला प्रधान राजीव खत्री, सचिव अमित दहिया, पूर्व प्रधान संदीप तुर ने बताया कि कर्मचारियों की ओर से 4 मई सोमवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के सामने सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री के पुतले का दहन किया जाएगा। नगर निगम कार्यालय का गेट बंद कर तालाबंदी की जाएगी। रविवार को सर्व कर्मचारी संघ के जिला सचिव सुनील दत्त, आईटीआई से मुकेश नेहरा, पटवार कानूगो एसोसिएशन के प्रधान सन्नी दहिया ने सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ, कांग्रेस के सहप्रभारी जितेंद्र बगेल ने कार्यकर्ताओं सहित हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का समर्थन किया। कर्मचारियों ने 5 मई तक राज्यव्यापी हड़ताल को जारी रखने का निर्णय लिया है। अगर सरकार समय रहते फायर व सफाई कर्मचारियों की मांगों का जल्द समाधान नहीं करती है, तो मंगलवार को बाइकों पर रोष मार्च निकाल सरकार के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया जाएगा। उधर नपा कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से शहर में सफाई व्यवस्था ठप हो जाएगी। कर्मचारियों ने सरकार से जल्द उनकी मांगों का समाधान करने की गुहार लगाई। धरने पर वरिष्ठ उपप्रधान वीरेंद्र, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश, विनोद, यशेंद्र, नवीन, अजीत, सुनील, नरेश, देवेंद्र, नवीन, नितिन, विजय, राजेश, मनोज, सत्यवान, कमलेश, कांता, फूल सिंह, अमर, विकास, संदीप, गीता, बबीता मौजूद रहे।